RPF SI & CONSTABLE 2024

रेल रक्षक बैच

HISTORY

पुष्यभूति वंश



LIVE 31-05-2024 7:00 PM

अजंता की गुफाएं (Caves of Ajanta)

- संख्या ⇒ 29
- UNESCO ⇒ 1983 में
  - की विश्व विरासत सूची में शामिल (world Heritage site)
- अजंता ⇒ महाराष्ट्र जिले के औरंगाबाद में
  - की गुफाएं
  - शम्भाजी नगर में

पुष्यभूति / वर्धन वंश।

संस्थापक (founder) ⇒ पुष्यभूति (पहला शासक)

राजधानी (Capital) ⇒ थानेश्वर (हरियाणा) से कान्नौज (U.P.)

→ मौखरि शासक अवंति वर्मन के सामंत (मंत्री/Minister)

प्रभाकरवर्धन (दूसरे शासक)
- राज्यवर्धन → बड़ा बेटा।
- हर्षवर्धन → छोटा बेटा।
- राज्यश्री → पुत्री।

⇒ प्रभाकरवर्धन की पुत्री राज्यश्री का विवाह अवंतिवर्मन के पुत्र ग्रहवर्मन से होता है।

⇒ प्रभाकर वर्धन के समय हूणों ने आक्रमण (Attack) किया जिसका दमन करने के लिए राज्यवर्धन को भेजा गया।

⇒ ग्रहवर्मन की हत्या शशांक और देवगुप्त ने मिलकर की और राज्यश्री का अपहरण (Kidnapping) कर लिया।

शशांक ⇒ बंगाल क्षेत्र में शासक
देवगुप्त ⇒ मालवा (मध्य प्रदेश) क्षेत्र में शासक

⇒ कुरंगक दूत से हर्षवर्धन को अपने पिता प्रभाकरवर्धन व माता यशोमति (सती हो गयी।) की मृत्यु की खबर (News) सुनकर अपने राज्य आते हैं।

⇒ राज्यवर्धन ने देवगुप्त की हत्या कर दी।

⇓

की हत्या शशांक ने कर दी।

हर्षवर्धन (606-647 ई०/AD)

जन्म ⇒ 590 AD ⇒ 16 वर्ष की आयु में गद्दी पर बैठे। ⇒ 606 AD

पत्नी (wife) ⇒ दुर्गावती

⇒ गौड़ नरेश शशांक को पराजित कर दिया और कन्नौज पर अधिकार कर लिया।

⇒ दिवाकर मित्र (बौद्ध भिक्षु) की मदद से हर्षवर्धन ने अपनी बहन राज्यश्री को खोजा।

⇒ हर्षवर्धन को साहित्य का सम्राट (Emperor of literature) कहा जाता है।

राज० ⇒ कन्नौज (कान्यकुब्ज)

⇒ हर्षवर्धन को चालुक्य वंश के शासक पुलकेशिन II ने हराया था।

(नर्मदा नदी के तट पर)

⇓

618 ई० / AD

⇒ हर्षवर्धन के नाटक → रत्नावली
→ नागानंद
→ प्रियदर्शिका

⇓

भाषा - संस्कृत

हर्ष के दरबारी कवि

① बाणभट्ट → रचना → कादम्बरी, हर्षचरित

② मयूरभट्ट → रचना → सूर्यशतक, मयूरशतक

③ मातंग दिवाकर

④ भर्तृहरि

Note :→ बोढ़ल ने हर्षवर्धन को साहित्यिक (Literature) हर्ष कहा है।

ह्वेनसांग → इसे त्सांग भी। कहा जाता है।

ह्वेनसांग → चीन से आया चीनी यात्री

↳ यात्रियों का राजकुमार (Prince of Pilgrims)

↳ 630-645 AD। ई → 15 वर्षों तक भारत में रहा।

⇒ 18 महीने (Month's) नालंदा विश्वविद्यालय (Nalanda University) में बौद्ध धर्म की महायान शाखा का अध्ययन किया।

5 Students (छात्र) ⅓ Teacher (शिक्षक) 5:1

फुलपति (Vice-chancellor) ⇒ शीलभद्र

यात्रा विवरण ⇒ Book (पुस्तक) ⇒ सी-यू-की में लिखा।